भाषा संपर्क अध्ययन

झारसुगुड़ा जिले के ओड़िया भाषियों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी के विशेष संदर्भ में

Language contact: Influence of Odiya while speaking Hindi in Jharsuguda

एम.फिल. भाषाविज्ञान उपाधि हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

सत्र - 2015-16

शोध निर्देशक

डॉ अनिल कुमार पाण्डेय

एसोसिएट प्रोफेसर

भाषा प्रौद्योगिकी

शोधार्थी

खुशबू त्रिवेदी

एम.फिल.भाषाविज्ञान

ना.सं.-2015/01/206/004

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित

पोस्ट- मानस मंदिर, गांधी हिल्स वर्धा, महाराष्ट्र-442001

प्रस्तावना

'भाषा' शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत की 'भाष' धातु से मानी जाती है जिसका अर्थ है – बोलना । अर्थात् भाषा वह है जो बोली जाती है। भाषा समाज में परस्पर विचार विनियम या अभिव्यक्ति का अन्यतम माध्यम है जिससे मनुष्य अपने भावों का आदान प्रदान करते हैं। भाषा और समाज का संबंध अनिवार्य रूप से जुड़ा हुआ है। क्योंकि संस्कृति के निर्माण का केंद्रीय बिंदु भाषा ही है। विश्व की समस्त मानव जातियों ने भाषा के माध्यम से ही अपनी-अपनी संस्कृतियों को मजबूत बनाने का लगातार प्रयत्न किया है। यही कारण है कि संस्कृति और समाज के साथ-साथ भाषा का विकास भी निश्चित रूप से होता है। मानव जाति ने अपनी-अपनी संस्कृतियों के विस्तार के लिए सबसे पहले भाषा को ही हथियार बनाया है। इसे अंग्रेजी साम्राज्यवाद के द्वारा आसानी से समझा जा सकता है। इसी के साथ सर्वविदित विभिन्न संस्कृतियों को एक –दुसरे के नज़दीक भी भाषा की शक्ति ने ही पहुचाया है और इससे भाषा को भी मजबूती मिलती रही है।

भारत आदिकाल से ही बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक देश है। जिसकी भाषाएँ विश्व के अनेक भाषा-।परिवारों से संबंध रखती हैं। यहाँ चार से अधिक भाषाई परिवारों की विभिन्न भाषाएँ एक बृहद परिवार के रूप में पनपती और विकसित होती रही हैं। वर्तमान स्थिति के संदर्भ में भी देखा जाए तो इन विभिन्न परिवारों की भाषाएँ आज की भारतीय बहुभाषिकता की वास्तवकिता है। विभिन्न भाषा परिवारों की अनेक बोलियों एवं भाषा की सामाजिक अस्मिता के साथ बाँधने वाली कम-से कम पंद्रह ऐसी भाषाएँ हैं जिन्हें संविधान कीअष्टम सूची में स्वीकृति मिली है। (यद्दपि 8वीं अनुसूची में 22 भाषाएँ है।) एक भी ऐसी आधुनिक भाषा नहीं जिसके बोलने वाले कम-से कम तीन संपर्क भाषाओं का प्रयोग न करते हों और न हों और न ही ऐसी भाषाई समुदाय है जिसके भाषाई कोश में तीन या तीन से अधिक विभिन्न भाषाई कोड न हों।

भाषा संपर्क भारत की अपनी विशेषता रही है। 'भाषा एक ही साथ स्थानीय और ग्लोबल होती है। '[1] 'भाषा संपर्क से तात्पर्य उस समाज के विभिन्न वर्गों या निवासियों के बीच संपर्क में काम आती है। इस दृष्टि से भिन्न-भिन्न बोली बोलने वाले वर्गो के बीच हिंदी एक संपर्क भाषा है और अन्य कई भारतीय क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलने वालों के बीच भी भाषा-संपर्क में प्रयोग की जाती है। '[2] भारत की भाषाई स्थिति और उसमें हिंदी के स्थान को देखने से यह स्पष्ट हो जाता है कि हिंदी आज भारतीय जनता के बीच भाषा संपर्क में सबसे पहले प्रयोग में आती है। हिंदी की भाषागत विशेषता यह भी है कि उसे सीखना और व्यवहार में लाना अन्य भाषाओं की अपेक्षा ज्यादा सुविधाजनक और आसान है। हिंदी भाषा की एक विशेषता यह भी है कि वह लोकभाषाओं से संपन्न है, बड़े पैमाने पर अशिक्षित लोचदार भाषा है जिससे दूसरी भाषाओं में शब्दों, वाक्य-संरचना और बोलचाल जन्य आग्रहों को स्वीकार करने में समर्थ है।

झारसुगुड़ा ओड़िशा का वहप्रांत है जहाँ ओड़िया के साथ-साथ बहुत सी भाषाएँ भी बोली जाती हैं। यहाँ दूसरे राज्यों के लोगों की वजह से हिंदी का प्रयोग ओड़िया के साथ भी किया जाता है।

प्रस्तुत शोध-विषय में झारसुगुड़ा में प्रयोग होने वालों हिंदी में ओड़िया के प्रभाव के बारे में बताया गया है। यहाँ दोनों भिन्नताओं को बताया गया है।

शोध का उद्देश्य

प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध का मुख्य उद्देश्य झारसुगुड़ा में बोली जाने वाली हिंदी एंव ओड़िया के विशेष संदर्भ में प्रस्तुत करनाहै।

-झारसुगुड़ा की बोली से अवगत कराना।

-ओड़िया एवं हिंदी का प्रयोग बताना ।

- हिंदी पर ओड़िया का प्रभाव दिखाना ।

---

[1] चतुर्वेदी,जगदीश्वर : हाइपरटेक्स्ट वर्चुअल रियलिटी इंटरनेट

[2] टंडन,डॉ पूरनचंद,*आजीविका साधक हिंदी*; झाल्टे, डॉ दंगल, *प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग* ; गवेषणा, 2011, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, पृष्ठ संख्या-92

प्राक्कल्पना

प्रस्तुत लघु शोध-प्रारूप में झारसुगुड़ा और वहाँ पर बोली जाने वाली भाषा का अध्ययन प्रस्तुत किया जाएगा। भाषा संपर्क के आधार पर ए बताया जाएगा कि ओड़िया भाषियों पर हिंदी बोलते-लिखते समय कैसे ओड़िया का प्रभाव पड़ता है। इसी तरह हिंदी भाषी लोगों के साथ भी ओड़िया भाषी लोगों के भाषिक संपर्क और उड़ीसा में हिंदी भाषा में हो रहे बदलाव को रेखांकित किया जाएगा।

शोध की सीमाएँ

1) प्रस्तुत शोध झारसुगुड़ा क्षेत्र तक सीमित रहेगी ।
2) ओड़िया एवं हिंदी को विशेष संदर्भ में रखा गया है।

शोध प्रविधि

शोध में प्रविधि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि प्रविधि के आधार पर ही शोधार्थी वैज्ञानिक पद्धति से निष्कर्ष तक पहुँच पाता हैं। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध में एक से ज्यादा प्रविधियों को अपनाया गया है। इस शोध में मुख्य रूप से तुलनात्मक और विश्लेषणात्मक प्रविधि का उपयोग किया गया जिसके लिए प्राथमिक एवं द्वितीय प्रकार का तथ्य संकलन किया गया है। ओड़िया एवं हिंदी का विश्लेषण ध्वनि, रूप शब्द और वाक्य के आधार पर किया गया है।

शोध कार्य की व्यवस्थित प्रस्तुति के लिए इसे तीन अध्यायों में विभक्त किया गया हैं।

प्रथम अध्याय में झारसुगुड़ा और भाषा संपर्क का परिचय बताया गया है। इसके अंतर्गत झारसुगुड़ा की भौगोलिक परिस्थिति, भाषा संपर्क के बारे में बताने का प्रयास किया गया है।

दूसरे अध्याय में भाषा संपर्क के स्तर और प्रवृतियों के विषय में बताया गया है। जैसे- आदान , द्विभाषिकता , भाषाद्वैत , कोड-मिश्रण ,कोड-परिवर्तन ,पिजिन ,क्रियोल के बारे में भी चर्चा की गयी है।

तीसरे अध्याय में झारसुगुड़ा में हिंदी पर ओड़िया का प्रभाव बताया गया है। यहाँ पर ध्वनि , शब्द और वाक्य स्तर पर हो रहे बदलाव का विश्लेषण किया गया है। इसके बाद भाषा संपर्क के प्रकार के आधार पर भी विश्लेषण किया गया है।

उपसंहार

झारसुगुड़ा में ओड़िया के साथ हिंदी का उपयोग पूर्ण रूप से देखा जा सकता है यहाँ ओड़िया के साथ-साथ हिंदी को शिक्षित और अशिक्षित दोनों वर्गों के लोगों द्वारा प्रयोग किया जा रहा है। ओड़िया और हिंदी दोनों येक ही भाषा परिवार से आते हुये कुछ प्ररूपात्मक भिन्नता भी रखते हैं। झारसुगुड़ा जिले के परिचय में हमने देखा कि यह जिला ओड़िसा राज्य की सीमा पर स्थित है जिसके कारण हिंदी का प्रयोग अधिक देखने को मिलता है। यहाँ ओड़िया हिंदी के साथ भोजपुरी, मराठी, बंगाली, पंजाबी आदि भाषाएँ सुनने को मिलती हैं। यह सब भाषाएँ हिंदी के साथ बोली जाती हैं। झारसुगुड़ा में सांस्कृतिक विविधता के साथ भाषिक विविधता भी देखने को मिलती है। यही कारण है कि यहाँ भाषा-संपर्क को अनेक स्तरों पर देखने को मिलता है।

प्रस्तुत शोध विषय में ओड़िया हिंदी के प्रारूपात्म्क भिन्नता और भाषा संपर्क के अंतर्गत उनका प्रयोग भी किया गया है। जब हम व्याकरणिक स्तर देखते है तब ओड़िया और हिंदी का विश्लेषण ध्वनि, शब्द और वाक्य स्तर पे देखने को मिलता है।

जैसे – ओड़िया स्वर हिंदी की तुलना में ज्यादा बलाघात के साथ प्रयोग किये जाते हैं।

उदाहरण –

हिंदी भाषी	**ओड़िया भाषी**
घर	घरऽ
फूल	फूलऽ
लोग	लोगऽ

ऐसे ही व्यंजन ध्वनि में भी होता है–

हिंदी भाषी	**ओड़िया भाषी**
डर	डोर /डेरा

धामन	धमोना

इसके बाद 'य' और 'व' के स्थान पर भी परिवर्तन का विश्लेषण किया गया।

जैसे –

हिंदी भाषी	**ओड़िया भाषी**
यमुना	जमुना
यात्रा	जात्रा
यशोदा	जशोदा
परिवार	परिबार
वन	बन
विलायत	बिलायत

इसी तरह शब्दों के स्तर पे भी कुछ बदलावों को प्रस्तुत किया गया है। जैसे ओड़िया में पुल्लिंग का उपयोग ज्यादा होता है जहाँ हिंदी में मानव और अमानव के लिये लिंग निर्धारित होते हैं परंतु ओड़िया में नहीं होते।

जैसे –

- लड़का आ रहा है।
- लड़की आ रहा है।
- सर पढ़ा रहा है।
- मैडम पढ़ा रहा है।
- ट्रेन आ रहा है।
- चाय अच्छा है।

इसी प्रकार ओड़िया में हिंदी की तरह स्त्रीलिंग प्रत्यय नहीं प्रयोग किये जाते।

जैसे –

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
छोटा	छोटा
बड़ा	बड़ा
मीठा	मीठा
पतला	पतला

इसी प्रकार सर्वनाम को भी ओड़िया भाषी हिंदी में ओड़िया की तरह प्रयोग करते हैं।

जैसे – तोमे /तू

आपंक

इसी प्रकार वचन के प्रयोग में माने, लोग, या गुणीक का प्रयोग करते हैं।

जैसे – डाक्टर-लोग

बच्चा-लोग

बहीगुणीक

दस-ठो

जूता-टा

इसी तरह वाक्य प्रयोग में भी कोई खास अंतर नहीं देखा गया। इसी प्रकार वाक्य स्तर पर भी कोई बदलाव को देखा गया है। वाक्य स्तर पर पूर्णकारी का प्रयोग ओड़िया की तरह मिलता है। 'की' की जगह 'जे' या 'बोल-कर' का प्रयोग मिलता है। इसी तरह निषेध वाचक में भी वाक्यों में 'नहीं' के स्थान पर 'नाइ' या 'नी' का प्रयोग देखा गया।

इसके उपरांत भाषा-संपर्क के प्रकारों की चर्चा की गई हैं, जिसमें संबंधवाची शब्दों के प्रयोग के उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए हैं।

जैसे –

माँ –बापा

आई –अजा

नाना –नानी

इसी तरह द्विभाषिकता में देखा गया की दोनों भाषाओं को मिलाकर ओड़िया भाषी अपनी दैनिक दिनचर्या में प्रयोग कर रहे हैं।

जैसे –

खाना रांध लिया॥

बिल्ली खीर पी गई।

ठाकुर को जय करो।

द्विभाषिकता का प्रयोग दो तरीके से किया जाता है। औपचारिक और अनौपचारिक दोनों परिस्थितियों को देखा गया है।

इसके बाद भाषाद्वैत की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें समाज के उस हिस्से के भाषिक प्रयोगों को लिया गया है जो अपनी बात सिर्फ संदर्भ लेकर समझाते हैं। यहाँ ध्वनि येवं शाब्दिक स्तर पर भाषाद्वैत की स्थिति देखी जाती है।

जैसे –

ओटा में पानी गिरा दो।

दरवाजा खड़ा कर दो।

इसके बाद कोड-मिश्रण और कोड परिवर्तन की चर्चा की गई है। जिसमें समाज के प्रमुख हिस्से के भाषिक प्रयोगों का विश्लेषण किया गया है। संप्रेषण को आसान बनाने का यह सबसे प्रमुख माध्यम है ओड़िया भाषी कोड-मिश्रण येवं कोड-परिवर्तन का प्रयोग ओड़िया येवं हिंदी के साथ करते हैं।

जैसे –

आज मेरा अजा आ रहा है।

भात के साथ डालीमा बना है।

केते टंका,कैसे है।

इस प्रकार निष्कर्ष रूप से यह कहा जा सकता है कि प्रस्तुत शोध विषय हिंदी और ओड़िया का भाषावैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण किया गया साथ ही भाषा संपर्क के माध्यम से ओड़िया को अपने में समेटती हुई हिंदी भाषा के विस्तार को भी वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषित किया गया है।

परिशिष्ट –

i) झारसुगुड़ा का मानचित्र

ii) हिंदी की वर्णमाला

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	
ka	kha	ga	gha	ṅa	ca	cha	ja	jha	
[kʌ]	[kʰʌ]	[gʌ]	[gʱʌ]	[ŋʌ]	[tsʌ]	[tsʰʌ]	[dzʌ]	[dzʱʌ]	
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
ṭa	ṭha	ḍa	ḍha	ṇa	ta	tha	da	dha	na
[ʈʌ]	[ʈʰʌ]	[ɖʌ]	[ɖʱʌ]	[ɳʌ]	[tʌ]	[tʰʌ]	[dʌ]	[dʱʌ]	[nʌ]
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	
pa	pha	ba	bha	ma	ya	ra	la	wa	
[pʌ]	[pʰʌ]	[bʌ]	[bʱʌ]	[mʌ]	[jʌ]	[rʌ]	[lʌ]	[wʌ]	
श	ष	स	ह	क्ष	त्र	ज्ञ			
śa	ṣa	sa	ha	kṣa	tra	gya			
[ʃʌ]	[ʃʌ]	[sʌ]	[ɦʌ]	[kʃʌ]	[trʌ]	[gyʌ]			

iii) ओड़िया की वर्ण माला

କ	ଖ	ଗ	ଘ	ଙ	ଚ	ଛ	ଜ	ଝ	ଞ
ka	kha	ga	gha	ṅa	ca	cha	ja	jha	ña
[kɔ]	[k^hɔ]	[gɔ]	[$g^ɦ$ɔ]	[ŋɔ]	[ʧɔ]	[ʧ^{h}ɔ]	[ʤɔ]	[ʤ^{ɦ}ɔ]	[ɲɔ]
ଟ	ଠ	ଡ	ଢ	ଣ	ତ	ଥ	ଦ	ଧ	ନ
ṭa	ṭha	ḍa	ḍha	ṇa	ta	tha	da	dha	na
[ʈɔ]	[$ʈ^h$ɔ]	[ɖɔ]	[$ɖ^ɦ$ɔ]	[ɳɔ]	[tɔ]	[t^hɔ]	[dɔ]	[$d^ɦ$ɔ]	[nɔ]
ପ	ଫ	ବ	ଭ	ମ	ଯ	ୟ	ର	ଳ	
pa	pha	ba	va	bha	ma	ya	ẏa	ra	ḷa	
[pɔ]	[p^hɔ]	[bɔ]	[vɔ]	[$b^ɦ$ɔ]	[mɔ]	[ʤɔ]	[jɔ]	[rɔ]	[ɭɔ]
ଲ	ଶ	ଷ	ସ	ହ					
la	śa	ṣa	sa	ha					
[lɔ]	[sɔ]	[sɔ]	[sɔ]	[hɔ]					

भाषा संपर्क के स्तर

ध्वनि स्तर पर	हिंदी	ओड़िया
	- अ	- आ
	- इ	- ये

	- उ	- ओ
	- ऐ	- अय

शब्द स्तर पर	**हिंदी**	**ओड़िया**
लिंग का प्रयोग	+मानव + अमानव	+ मानव -अमानव
वचन के आधार पर	सारे / सब	सारा/सब -माने -गुणीक -माने -टा ,-ठो
वाक्य स्तर पर	SVO	SVO
पूर्णकारी	की	-जे , बोलकर
निषेधकारी	नहीं	नाई, नइ , नाही

भाषा संपर्क के प्रकार

आदान	नामऽ समुद्रऽ माँ-बापा नाना-नानी

	सांग माछ खरा
द्विभाषिकता	तेरा नाऽ क्या है ? मेरा छोटा बहन । मेरा बही दे दो । गाली दिया ।
भाषाद्वैत	तोम्हारा क्या नाऽ है? तोम किस क्लास में पढ़ते हो?
कोड मिश्रण और कोड परिवर्तन	मैं नाना के साथ बोजार गया था। केते टंका, कैसे है? ट्रेन आ गया। टिके पाठ पढ़े,फेर सोना।

संदर्भ ग्रन्थ सूची-

- कुमार, वचनदेव.(2002). वृहत् हिंदी व्याकरण. पटना. भारती भवन
- प्रसाद,वासुदेव नंदन(2009).आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना. पटना. भारती भवन
- रस्तोगी, कविता .*समसामयिक भाषाविज्ञान.* लखनऊ . सुलभ प्रकाशन :

- शर्मा, दीप्ति. देवेन्द्र नाथ शर्मा .(2007) .*भाषा विज्ञान की भूमिका.* राधाकृष्ण प्राइवेट लिमिटेड.
- श्रीवास्तव, रविन्द्रनाथ .*हिंदी भाषा का समाजशास्त्र .* नई दिल्ली .राधाकृष्ण प्रकाशन :
- श्रीवास्तव, रविन्द्रनाथ .*हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका.* नई दिल्ली . राधाकृष्ण प्रकाशन :
- Mukherjee, Aditi & V.Swarajya Lakshmi. .(1996) *Word Order inIndian Languages.* Hyderabad: Center Of Advanced Study in Linguistics,Osmania University,Hyderabad and Booklinks Corporation.
- Bullock, Barbara E. & Almeida Jacqueline Toribio. *The Cambridge Handbook of Linguistics, Code-Switching.* Cambridge: Cambridge University Press.
- Kachru, Braj B., Bh. Krishnamurti & Edward C.Dimock. .(1992) *Dimensions of Sociolinguistics in South Asia.* Oxford & IBH Publishing Co. Pvt Ltd.
- MANJALI, D. .(1992) *LANGUAGE SOCIETY AND DISCOURSE.* NEW DELHI: JNU NEW DELHI,BAHRI PUBLICATIONS.
- Crystal, David. .(1987) *The Cambridge Encyclopedia of Language.* Cambridge: Cambridge University Press.
- Cardona, George & Danesh Jain. .(2003) *The Indo-Aryan Languages.* Abingdon: Routledge 2Square Park Milton park.
- Swann, Joan., Andrew Dewmert. William L.Leap. Rajend Mesthrie. .(2000)*Introducing Sociolinguisics.* Edinburgh: Edinburgh University Press.

- Thornborrow, Joanna & Jennifer Coates. .(1957) *The Sociolinguistics of Narrative.* Amsterdam: John Benjamins Publishing Company.
- FISHMAN, JOSHUA A. .(1971) *ADVANCES IN THE SOCIOLOGY OF LANGUAGE (VOL--1BASIC CONCEPTS,THEORIES AND PROBLEM: ALTERNATIVE APPROACHES.* HAGUE: MOUTON & CO.PRINTERS, THE HAGUE.
- Subbarao, K.V. .(2012) *South Asian Languages: A Syntactic Typology.* Cambridge University Press.
- Tripathy, Kunja Bihari. .(1984) *Odiaa Bhaasaa O Lipiraa Bibartana.* bhubneshwar: The Orissa State Bureau of Text Book Preparation and Production.
- Hudson, R.A. .(1996) *Sociolinguistics.* New York: Cambridge University Press.
- Mehrotra, R.R. .(1977) *Sociology of Secret Language.* Shimla: Indian Institue of Advanved Study Shimla.
- Wardhaugh, Ronald. .(2006) *An Intoduction to Sociolinguistics.* Oxford: Blackwell Publishing.
- Mark, Sebba. .(2012) *LANGUAGE MIXING AND CODE-SWITCHING IN WRITING.* NEW YORK: ROUTLEDGE 711THIRD AVENUE.
- Singh, Udaya Narayana, K.Srinivasacharya. .(2001) *Papers in Applied Linguistics II.* Mysore: CIIL, Mysore.
- Weinreich, Uriel. .(1968) *Languages in Contact, Finding & Problems.* Hague: Mouton Publishers.

- Labov, William. .(1973) *Sociolinguistics Pattern.* University of Penniselivya.

Report:

- Abbi. Anvita. *Abbi Language Families, Language Families, Language Contact and Areal Universals.* JNU, New Delhi.
- Hickey Raymond. *Language Contact, Reconsideration & Reassessment.* Essen University.
- Dimanvoski, Muhvic Vesna. *Languages in Contact.* Institute of Linguistics, Facultyof Philosophy, University of Zagreb, Crotia.
- Pattnaik.B.N. *Odiya as a Typologically Disturbed language and Some Related Matters.* IIT Kanpur.
- Thomason.Sarah G. *Language Contact.* University of Michigan.
- https: //en.wikipedia.org/wiki/jharsuguda
- https://en.wikipedia.org/wiki/western odisha
- www.odialanguage.com / download.html
- www.omniglot.com /writing/hindi.htm-Hindi, Alphabet, Pronounciation and Languages
- www.omniglot.com /writing/odiya.htm-Odiya, Alphabet, Pronunciation and Languages

उपसंहार

झारसुगुड़ा में ओड़िया के साथ हिंदी का उपयोग पूर्ण रूप से देखा जा सकता है यहाँ ओड़िया के साथ-साथ हिंदी को शिक्षित और अशिक्षित दोनों वर्गों के लोगों द्वारा प्रयोग किया जा रहा है। ओड़िया और हिंदी दोनों येक ही भाषा परिवार से आते हुये कुछ प्ररूपात्मक भिन्नता भी रखते हैं। झारसुगुड़ा जिले के परिचय में हमने देखा कि यह जिला ओड़िसा राज्य की सीमा पर स्थित है जिसके कारण हिंदी का प्रयोग अधिक देखने को मिलता है। यहाँ ओड़िया हिंदी के साथ भोजपुरी, मराठी, बंगाली, पंजाबी आदि भाषाएँ सुनने को मिलती हैं। यह सब भाषाएँ हिंदी के साथ बोली जाती हैं। झारसुगुड़ा में सांस्कृतिक विविधता के साथ भाषिक विविधता भी देखने को मिलती है। यही कारण है कि यहाँ भाषा-संपर्क को अनेक स्तरों पर देखने को मिलता है।

प्रस्तुत शोध विषय में ओड़िया हिंदी के प्रारूपात्म्क भिन्नता और भाषा संपर्क के अंतर्गत उनका प्रयोग भी किया गया है। जब हम व्याकरणिक स्तर देखते है तब ओड़िया और हिंदी का विश्लेषण ध्वनि, शब्द और वाक्य स्तर पे देखने को मिलता है।

जैसे – ओड़िया स्वर हिंदी की तुलना में ज्यादा बलाघात के साथ प्रयोग किये जाते हैं।

उदाहरण –

हिंदी भाषी	**ओड़िया भाषी**
घर	घरऽ
फूल	फूलऽ
लोग	लोगऽ

ऐसे ही व्यंजन ध्वनि में भी होता है–

हिंदी भाषी	**ओड़िया भाषी**
डर	डोर /डेरा

धामन	धमोना

इसके बाद 'य' और 'व' के स्थान पर भी परिवर्तन का विश्लेषण किया गया।

जैसे –

हिंदी भाषी	**ओड़िया भाषी**
यमुना	जमुना
यात्रा	जात्रा
यशोदा	जशोदा
परिवार	परिबार
वन	बन
विलायत	बिलायत

इसी तरह शब्दों के स्तर पे भी कुछ बदलावों को प्रस्तुत किया गया है। जैसे ओड़िया में पुल्लिंग का उपयोग ज्यादा होता है जहाँ हिंदी में मानव और अमानव के लिये लिंग निर्धारित होते हैं परंतु ओड़िया में नहीं होते।

जैसे –

- लड़का आ रहा है।
- लड़की आ रहा है।
- सर पढ़ा रहा है।
- मैडम पढ़ा रहा है।
- ट्रेन आ रहा है।
- चाय अच्छा है।

इसी प्रकार ओड़िया में हिंदी की तरह स्त्रीलिंग प्रत्यय नहीं प्रयोग किये जाते।

जैसे –

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
छोटा	छोटा
बड़ा	बड़ा
मीठा	मीठा
पतला	पतला

इसी प्रकार सर्वनाम को भी ओड़िया भाषी हिंदी में ओड़िया की तरह प्रयोग करते हैं।

जैसे – तोमे /तू

आपंक

इसी प्रकार वचन के प्रयोग में माने, लोग, या गुणीक का प्रयोग करते हैं।

जैसे – डाक्टर-लोग

बच्चा-लोग

बहीगुणीक

दस-ठो

जूता-टा

इसी तरह वाक्य प्रयोग में भी कोई खास अंतर नहीं देखा गया। इसी प्रकार वाक्य स्तर पर भी कोई बदलाव को देखा गया है। वाक्य स्तर पर पूर्णकारी का प्रयोग ओड़िया की तरह मिलता है। 'की' की जगह 'जे' या 'बोल-कर' का प्रयोग मिलता है। इसी तरह निषेध वाचक में भी वाक्यों में 'नहीं' के स्थान पर 'नाइ' या 'नी' का प्रयोग देखा गया।

इसके उपरांत भाषा-संपर्क के प्रकारों की चर्चा की गई हैं, जिसमें संबंधवाची शब्दों के प्रयोग के उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए हैं।

जैसे –

माँ –बापा

आई –अजा

नाना –नानी

इसी तरह द्विभाषिकता में देखा गया की दोनों भाषाओं को मिलाकर ओड़िया भाषी अपनी दैनिक दिनचर्या में प्रयोग कर रहे हैं।

जैसे –

खाना रांध लिया॥

बिल्ली खीर पी गई।

ठाकुर को जय करो।

द्विभाषिकता का प्रयोग दो तरीके से किया जाता है। औपचारिक और अनौपचारिक दोनों परिस्थितियों को देखा गया है।

इसके बाद भाषाद्वैत की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें समाज के उस हिस्से के भाषिक प्रयोगों को लिया गया है जो अपनी बात सिर्फ संदर्भ लेकर समझाते हैं। यहाँ ध्वनि येवं शाब्दिक स्तर पर भाषाद्वैत की स्थिति देखी जाती है।

जैसे –

ओटा में पानी गिरा दो।

दरवाजा खड़ा कर दो।

इसके बाद कोड-मिश्रण और कोड परिवर्तन की चर्चा की गई है। जिसमें समाज के प्रमुख हिस्से के भाषिक प्रयोगों का विश्लेषण किया गया है। संप्रेषण को आसान बनाने का यह सबसे प्रमुख माध्यम है ओड़िया भाषी कोड-मिश्रण येवं कोड-परिवर्तन का प्रयोग ओड़िया येवं हिंदी के साथ करते हैं।

जैसे –

आज मेरा अजा आ रहा है।

भात के साथ डालीमा बना है।

केते टंका,कैसे है।

इस प्रकार निष्कर्ष रूप से यह कहा जा सकता है कि प्रस्तुत शोध विषय हिंदी और ओड़िया का भाषावैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण किया गया साथ ही भाषा संपर्क के माध्यम से ओड़िया को अपने में समेटती हुई हिंदी भाषा के विस्तार को भी वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषित किया गया है।

परिशिष्ट –

i) झारसुगुड़ा का मानचित्र

ii) हिंदी की वर्णमाला

क	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	
ka	kha	ga	gha	ṅa	ca	cha	ja	jha	
[kʌ]	[kʰʌ]	[gʌ]	[gʱʌ]	[ŋʌ]	[tsʌ]	[tsʰʌ]	[dzʌ]	[dzʱʌ]	
ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
ṭa	ṭha	ḍa	ḍha	ṇa	ta	tha	da	dha	na
[ʈʌ]	[ʈʰʌ]	[ɖʌ]	[ɖʱʌ]	[ɳʌ]	[tʌ]	[tʰʌ]	[dʌ]	[dʱʌ]	[nʌ]
प	फ	ब	भ	म	य	र	ल	व	
pa	pha	ba	bha	ma	ya	ra	la	wa	
[pʌ]	[pʰʌ]	[bʌ]	[bʱʌ]	[mʌ]	[jʌ]	[rʌ]	[lʌ]	[wʌ]	
श	ष	स	ह	क्ष	त्र	ज्ञ			
śa	ṣa	sa	ha	kṣa	tra	gya			
[ʃʌ]	[ʃʌ]	[sʌ]	[ɦʌ]	[kʃʌ]	[trʌ]	[gyʌ]			

iii) ओड़िया की वर्ण माला

କ	ଖ	ଗ	ଘ	ଙ	ଚ	ଛ	ଜ	ଝ	ଞ
ka	kha	ga	gha	ṅa	ca	cha	ja	jha	ña
[kɔ]	[k^hɔ]	[gɔ]	[$g^ɦ$ɔ]	[ŋɔ]	[ʧɔ]	[ʧ^{h}ɔ]	[ʤɔ]	[ʤ^{ɦ}ɔ]	[ɲɔ]
ଟ	ଠ	ଡ	ଢ	ଣ	ତ	ଥ	ଦ	ଧ	ନ
ṭa	ṭha	ḍa	ḍha	ṇa	ta	tha	da	dha	na
[ʈɔ]	[$ʈ^h$ɔ]	[ɖɔ]	[$ɖ^ɦ$ɔ]	[ɳɔ]	[tɔ]	[t^hɔ]	[dɔ]	[$d^ɦ$ɔ]	[nɔ]
ପ	ଫ	ବ	ଭ	ମ	ଯ	ୟ	ର	ଳ	
pa	pha	ba	va	bha	ma	ya	ẏa	ra	ḷa	
[pɔ]	[p^hɔ]	[bɔ]	[vɔ]	[$b^ɦ$ɔ]	[mɔ]	[ʤɔ]	[jɔ]	[rɔ]	[ɭɔ]
ଲ	ଶ	ଷ	ସ	ହ					
la	śa	ṣa	sa	ha					
[lɔ]	[sɔ]	[sɔ]	[sɔ]	[hɔ]					

भाषा संपर्क के स्तर

ध्वनि स्तर पर	हिंदी	ओड़िया
	- अ	- आ
	- इ	- ये

	- उ	- ओ
	- ऐ	- अय

शब्द स्तर पर	**हिंदी**	**ओड़िया**
लिंग का प्रयोग	+मानव + अमानव	+ मानव -अमानव
वचन के आधार पर	सारे / सब	सारा/सब -माने -गुणीक -माने -टा ,-ठो
वाक्य स्तर पर	SVO	SVO
पूर्णकारी	की	-जे , बोलकर
निषेधकारी	नहीं	नाई, नइ , नाही

भाषा संपर्क के प्रकार

आदान	नामऽ समुद्रऽ माँ-बापा नाना-नानी

	सांग माछ खरा
द्विभाषिकता	तेरा नाऽ क्या है ? मेरा छोटा बहन । मेरा बही दे दो । गाली दिया ।
भाषाद्वैत	तोम्हारा क्या नाऽ है? तोम किस क्लास में पढ़ते हो?
कोड मिश्रण और कोड परिवर्तन	मैं नाना के साथ बोजार गया था। केते टंका, कैसे है? ट्रेन आ गया। टिके पाठ पढ़े,फेर सोना।

संदर्भ ग्रन्थ सूची-

- कुमार, वचनदेव.(2002). वृहत् हिंदी व्याकरण. पटना. भारती भवन
- प्रसाद,वासुदेव नंदन(2009).आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना. पटना. भारती भवन
- रस्तोगी, कविता .*समसामयिक भाषाविज्ञान.* लखनऊ . सुलभ प्रकाशन :

- शर्मा, दीप्ति. देवेन्द्र नाथ शर्मा .(2007) .*भाषा विज्ञान की भूमिका.* राधाकृष्ण प्राइवेट लिमिटेड.
- श्रीवास्तव, रविन्द्रनाथ .*हिंदी भाषा का समाजशास्त्र .* नई दिल्ली .राधाकृष्ण प्रकाशन :
- श्रीवास्तव, रविन्द्रनाथ .*हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका.* नई दिल्ली . राधाकृष्ण प्रकाशन :
- Mukherjee, Aditi & V.Swarajya Lakshmi. .(1996) *Word Order inIndian Languages.* Hyderabad: Center Of Advanced Study in Linguistics,Osmania University,Hyderabad and Booklinks Corporation.
- Bullock, Barbara E. & Almeida Jacqueline Toribio. *The Cambridge Handbook of Linguistics, Code-Switching.* Cambridge: Cambridge University Press.
- Kachru, Braj B., Bh. Krishnamurti & Edward C.Dimock. .(1992) *Dimensions of Sociolinguistics in South Asia.* Oxford & IBH Publishing Co. Pvt Ltd.
- MANJALI, D. .(1992) *LANGUAGE SOCIETY AND DISCOURSE.* NEW DELHI: JNU NEW DELHI,BAHRI PUBLICATIONS.
- Crystal, David. .(1987) *The Cambridge Encyclopedia of Language.* Cambridge: Cambridge University Press.
- Cardona, George & Danesh Jain. .(2003) *The Indo-Aryan Languages.* Abingdon: Routledge 2Square Park Milton park.
- Swann, Joan., Andrew Dewmert. William L.Leap. Rajend Mesthrie. .(2000)*Introducing Sociolinguisics.* Edinburgh: Edinburgh University Press.

- Thornborrow, Joanna & Jennifer Coates. .(1957) *The Sociolinguistics of Narrative.* Amsterdam: John Benjamins Publishing Company.
- FISHMAN, JOSHUA A. .(1971) *ADVANCES IN THE SOCIOLOGY OF LANGUAGE (VOL--1BASIC CONCEPTS,THEORIES AND PROBLEM: ALTERNATIVE APPROACHES.* HAGUE: MOUTON & CO.PRINTERS, THE HAGUE.
- Subbarao, K.V. .(2012) *South Asian Languages: A Syntactic Typology.* Cambridge University Press.
- Tripathy, Kunja Bihari. .(1984) *Odiaa Bhaasaa O Lipiraa Bibartana.* bhubneshwar: The Orissa State Bureau of Text Book Preparation and Production.
- Hudson, R.A. .(1996) *Sociolinguistics.* New York: Cambridge University Press.
- Mehrotra, R.R. .(1977) *Sociology of Secret Language.* Shimla: Indian Institue of Advanved Study Shimla.
- Wardhaugh, Ronald. .(2006) *An Intoduction to Sociolinguistics.* Oxford: Blackwell Publishing.
- Mark, Sebba. .(2012) *LANGUAGE MIXING AND CODE-SWITCHING IN WRITING.* NEW YORK: ROUTLEDGE 711THIRD AVENUE.
- Singh, Udaya Narayana, K.Srinivasacharya. .(2001) *Papers in Applied Linguistics II.* Mysore: CIIL, Mysore.
- Weinreich, Uriel. .(1968) *Languages in Contact, Finding & Problems.* Hague: Mouton Publishers.

- Labov, William. .(1973) *Sociolinguistics Pattern.* University of Penniselivya.

Report:

- Abbi. Anvita. *Abbi Language Families, Language Families, Language Contact and Areal Universals.* JNU, New Delhi.
- Hickey Raymond. *Language Contact, Reconsideration & Reassessment.* Essen University.
- Dimanvoski, Muhvic Vesna. *Languages in Contact.* Institute of Linguistics, Facultyof Philosophy, University of Zagreb, Crotia.
- Pattnaik.B.N. *Odiya as a Typologically Disturbed language and Some Related Matters.* IIT Kanpur.
- Thomason.Sarah G. *Language Contact.* University of Michigan.
- https: //en.wikipedia.org/wiki/jharsuguda
- https://en.wikipedia.org/wiki/western odisha
- www.odialanguage.com / download.html
- www.omniglot.com /writing/hindi.htm-Hindi, Alphabet, Pronounciation and Languages

www.omniglot.com /writing/odiya.htm-Odiya, Alphabet, Pronunciation and Languages